मांसाहारी गलिहरियाँ

[स्रोत: डाउन टू अर्थ]

वसि्कॉन्सनि-ओ क्लेयर वशि्ववद्यिालय (अमेरकिा) द्वारा कयि गए एक अध्ययन में पता चला है कि **कैलफिोर्नयिा ग्राउंड गलिहरी** (ओटोस्पर्मोफलिस बीचेई), जन्हिें पहले **शाकाहारी** माना जाता था, **अवसरवादी सर्वाहारी व्यवहार** प्रदर्शति करती हैं।

- शोधकर्त्ताओं ने देखा कि गलिहरियाँ **वोल्स (कृंतकों) का शकिार करती हैं, उन्हें मारकर भक्षण करती हैं** , तथा 74 में से 42% क्रयिाएँ सक्रयि शकिार से संबंधति थीं।
- जुलाई के प्रारंभ में वोल्स (कृंतकों) की संख्या में वृद्धि के साथ गलिहरियों की मांसाहारी गतविधियिाँ में वृद्धि हुई, जसिसे पता चलता है कि भोजन की आपूर्त ने उन्हें शकिार के लयि प्रेरति कयि।
- इसमें पता चला कि **गलिहरियों का आहार पहले की अपेक्षा अधकि लचीला** है, जसिसे उन्हें **भोजन की उपलब्धता में परविर्तन के अनुकूल होने** तथा तेज़ी से बदलते वातावरण में जीवति रहने में मदद मलिती है।
- **कैलफिोर्नयिा ग्राउंड गलिहरी:**
  - इसे **बीचेई ग्राउंड गलिहरी** के नाम से भी जाना जाता है और यह आमतौर पर पश्चमिी अमेरकिा में पाई जाती है।
  - इनका **फर धब्बेदार होता है, तथा इनका रंग ग्रे, हल्का और गहरा भूरा** होता है, तथा इनकी त्वचा पर सफेद रंग होता है।
  - वे आम तौर पर **रैटलस्नेक, ईगल, रैकून, लोमड़ी, बेजर और वीज़ल्स का शकिार होते हैं** और वनों में **6 वर्ष तक जीवति** रह सकते हैं।
  - **IUCN रेड लसि्ट:** कम चतिाजनक
  - **CITES:** कोई वशिेष दर्जा नहीं
- **भारतीय पाम गलिहरी** (फनाम्बुलस पल्मारम) आमतौर पर भारत और श्रीलंका में पाई जाती है।

//

और पढ़ें: मलय वशिालकाय गलिहरी

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/meat-eating-squirrels